भारत सरकार

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3193

दिनांक 06.08.2026 को उत्तर के लिए नियत

एमएसएमई में मानव-केन्द्रित उद्यमशीलता

3193. **श्री इटेला राजेंदरः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या संयुक्त राष्ट्र एमएसएमई दिवस 2026 का विषय "एआई-संचालित भविष्य में मानव-केंद्रित उद्यमिता" है, जिसमें नवाचार और सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने पर व्यापक वैश्विक ध्यान केंद्रित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये विषय यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित करते हैं कि छोटे व्यवसाय, जिनका वैश्विक व्यवसायों में 90 प्रतिशत से अधिक और रोजगार में नब्बे प्रतिशत हिस्सा है— एआई के तीव्र रूपान्तरण में पीछे न रहें और हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर हों, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 'मी-टू' उत्पादों के स्थान पर नवोन्मेष, विस्तार, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी व्यवसायों का निर्माण और 'मी-फ़र्स्ट' उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं और तेलंगाना में कितनी धनराशि व्यय की गई है; और

(घ) क्या अग्रणी उद्योगपतियों ने एमएसएमई से कम लागत वाले 'मी-टू' उत्पादों से नवोन्मेष-आधारित 'मी-फर्स्ट' पैमाने पर संक्रमण करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सृजित करने और बौद्धिक संपदा को प्रथमिकता देने के लिए गहन वैज्ञानिक क्षमता विकसित करने का आग्रह किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) से (घ): संयुक्त राष्ट्र एमएसएमई दिवस हेतु विषय का निर्धारण स्वतंत्र रूप से किया जाता है तथा इस संबंध में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा सूचना का रख-रखाव नहीं किया जाता है। तथापि, मंत्रालय एमएसएमई के बीच संधारणीयता, नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और हरित विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्कीमों और पहलों का क्रियान्वयन कर रहा है, जिससे वे एक परिवर्तनशील वैश्विक व्यापार परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रह सकें।

इनमें एमएसएमई चैंपियंस स्कीम [एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम, एमएसएमई प्रतिस्पर्धी (लीन) स्कीम और एमएसएमई इनोवेटिव (इन्क्यूबेशन, डिजाइन और आईपीआर) स्कीम शामिल हैं], परिवर्तन के लिए एमएसई हरित निवेश और वित्तपोषण (एमएसई-गिफ्ट) स्कीम तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था में संवर्धन और निवेश स्कीम (एमएसई-स्पाइस) ताकि एमएसई के बीच नवाचार, गुणवत्ता सुधार, चक्रीय अर्थव्यवस्था, हरित विनिर्माण और बौद्धिक संपदा निर्माण को बढ़ावा दिया जा सके। ये पहलें एमएसएमई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी उत्पादों और प्रक्रियाओं को विकसित करने में सहायता करती हैं। इसके अलावा, सरकार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित इंडियाएआई मिशन के माध्यम से यांत्रिक मेधा के अंगीकरण को बढ़ावा दे रही है, जो एमएसएमई के बीच प्रौद्योगिकी अंगीकरण और नवाचार की दिशा में मंत्रालय के प्रयासों का पूरक है।

***